JAN PRAKASHAN NEWS

जन प्रकाशन

सत्य ● साहस ● सरोकार

इन्दौर-भोपाल से एकसाथ प्रकाशित janprakashan@gmail.com www.janprakashan.com

वर्ष-9 अंक-42
इन्दौर, गुरुवार,
24 से 30 मार्च, 2022
पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए

रंगपंचमी पर रंगीन हुआ इंदौर, सबसे बड़ी गेर का दिखा अद्भुत नजारा

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

कोरोना काल की मायूसी के दो साल बाद अहिल्या की नगरी एक बार फिर रंगपंचमी पर रंगीन हो गई। इस बार रंगपंचमी की गेर ऐतिहासिक हो गई। इसमें 5 लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। इंदौर का आसमान रंग-गुलाल से सतरंगी नजर आ रहा था। सुबह होते ही शहर के लोग फाग यात्रा और गेर में शामिल होने के लिए राजबाड़ा पहुंचे, जहां रंगों से सराबोर होते हुए निकल रही झांकियों और हवा में बिखरते गुलाल में रंग गए। चारों तरफ अद्भुत नजारा था, इंदौर की फिजां बस देखते ही बन रही थी। महिलाएं, बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी पूरे उत्साह में डूबकर थिरकते नजर आ रहे थे।

गेर समारोह को प्रत्यक्ष रूप से देखने एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मनीष सिंह तथा पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा भी राजवाड़ा पहुंचे। अधिकारियों द्वारा कंट्रोल रूम से गेर समारोह के दौरान नियमित मानिटरिंग की जा रही थी।

ऊपर सतरंगी आसमान, चारों ओर गुलाल का गुबार और आसमान से बरसता रंग, ये नजारा शहर के हृदय स्थल का, जहां दो साल बाद रंगपंचमी पर परंपरागत गेर का आयोजन हुआ। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आए हुए थे। लाखों की तादाद में लोग गेर की फाग यात्रा में शामिल होकर जमकर थिरके। उत्साह इतना कि बस हर कोई रंगों में रंगा जा रहा था। 3 मिसाइल, 20 ट्रैक्टर, 3 कम्प्रेशर मशीनों से रंग-गुलाल उड़ाया जा रहा था। यह अब तक की सबसे बड़ी गेर कही जा सकती है। राजबाड़ा से रीगल तिराहे तक गेर का ही हुजूम दिखाई दे रहा था। इस बार राजबाड़ा में पैर रखने की भी जगह नहीं थी। बता दें कि शहर में रंगपंचमी और गेर की परंपरा होलकर वंश से चली आ रही है। तब राजघराने के लोग रंगपंचमी पर बैलगाड़ियों में फूल और रंग-गुलाल को रखकर सड़क पर निकलते थे। रास्ते में मिलने वाले सभी को रंग लगाते और उन पर गुलाल उड़ाते थे, जिसके बाद से यह परंपरा लगातार निभाई जाती रही है। परन्तु कोरोनाकाल में दो साल गेर नहीं निकली, लेकिन इस बार फिर उत्सव को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहा।

इसलिए है इंदौर स्वच्छता में सिरमौर...

निगम कर्मियों ने रंगपंचमी के बाद चंद घंटों में पूर्व की भांति चमकाया शहर को

रंगपंचमी के पहले...

रंगपंचमी के बाद में...

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

करीब एक घंटे में ही राजवाड़ा क्षेत्र पुरी तरह से साफ सुथरा हो गया। शहर में गेर निकलने के बाद ही निगम आयुक्त प्रतिभा पाल के निर्देश पर निगम के सफाई कर्मियों ने सफाई का कार्य शुरू कर दिया। टीम ने करीब एक घंटे में राजबाड़ा क्षेत्र में सफाई कर चकाचक कर दिया। इसके साथ ही पूरे 4 कि.मी. के गेर मार्ग को साफ करने में निगम टीम को दो घंटे का समय लगा। बता दें कि पूरे क्षेत्र में सफाई मित्रों की टीम के 700 कर्मचारी और 10 मशीनों को लगाया गया। हाथोंहाथ कचरा उठाने के लिए करीब 50 कचरा गाड़ी लगाई। इसके साथ ही निगम के टैंकरों से सड़कों की धुलाई करवाई गई, क्योंकि गेर निकलने के कारण यहां हजारों किलो गुलाल सड़कों पर बिखरा था। साथ ही प्लास्टिक और बलून का सूखा कचरा भी पड़ा हुआ था। इसके अलावा शहर के 19 जोन में भी प्रमुखता से सड़कें साफ हुई। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सभी 19 जोन में प्रमुख सड़कों को साफ किया गया। गली और मोहल्लों में वार्ड स्तर पर सुबह ही सफाई की गई। इसके लिए नगर निगम की टीम के करीब दो हजार सफाई मित्र ने शहरभर में सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने की तारीफ

इन्दौर में शांतिपूर्ण ढंग से निकाली गई गेर को लेकर मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तारीफ की। साथ ही कहा कि मैं इन्दौर के सफाई मित्रों के दृढ़ संकल्प को भी प्रणाम करता हूं। गेर निकलने के बाद जिस तत्परता से उन्होंने सफाई का मोर्चा संभाला और चंद घंटों में ही शहर को पूर्व की भांति साफ किया। उससे मन गर्व और आनन्द से भर गया। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि आखिर क्यों इन्दौर स्वच्छता में सिरमौर है।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने जताया आभार

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर में गेर के ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर समस्त नागरिकों और जन-प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त कर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी गेर के आयोजन में रुचि दिखाई थी और भव्य आयोजन की इच्छा जताई थी। मंत्री सिलावट ने आयोजन की सफलता के लिए प्रशासन और पुलिस के सभी अधिकारियों को भी बधाई दी है।

2 भारत-जापान सार्थक संवाद
5 राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देवी...
7 तीन खिलाड़ियों में होगी टीम इंडिया...

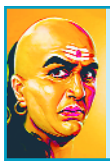

आचार्य चाणक्य के विचार

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

संपादकीय

भाजपा के ही नक्शेकदम पर 'आप'

जिस पार्टी ने अभी अपना 10वां जन्मदिन भी नहीं मनाया, उसने पंजाब में 136 साल पुरानी पार्टी को मात दे दी। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सिर्फ कांग्रेस को चुनावी मात नहीं दी, बल्कि राष्ट्रीय फलक पर उसके बराबर आ खड़ी हुई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के पास अगर इस समय दो राज्यों (राजस्थान और छत्तीसगढ़) में सरकार है, तो आप भी दिल्ली और पंजाब, दो राज्यों में सरकार चलाने वाली पार्टी बन गई है। यह तर्क दिया जा रहा है कि दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है, लेकिन इस खिसियानी दलील का यहां कोई बड़ा अर्थ नहीं है। दो राज्यों का तर्क इसलिए महत्वपूर्ण है कि भाजपा और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों को छोड़ दें, तब भी देश के कई हिस्सों में बहुत मजबूत राजनीतिक दल हैं। पश्चिम बंगाल में अगर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की तूती बोल रही है, तो पड़ोसी राज्य ओडिशा में बीजू जनता दल की सत्ता किसी के हिलाने नहीं हिल रही। आंध्र में जगनमोहन रेड्डी की कांग्रेस और उसके पड़ोसी राज्य में तेलंगाना राज्य समिति अपनी तरह से जमे हुए हैं। तमिलनाडु में द्रमुक और अन्नाद्रमुक की मथुरा तो तीनों लोक से न्यारी है। यहां आप तेजस्वी यादव, नीतीश कुमार और अखिलेश यादव की पार्टियों के साथ ही केरल में पिछले दो चुनाव जीतने वाली माकपा को भी याद कर सकते हैं। इन सभी पार्टियों की जड़ें अपने भूगोल और इतिहास में काफी गहरी हैं, लेकिन एक साथ दो राज्यों की सत्ता पर काबिज होने का सेहरा किसी के भी माथे नहीं सजा है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब के चुनाव में जोरदार जीत ही नहीं हासिल की, राष्ट्रीय राजनीति में अपने लिए एक नई प्रासंगिकता भी खोज ली है। हाल-फिलहाल तक देश में विपक्षी एकता के जितने भी प्रयास होते थे, उसमें आप को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता था। एकाध बार कुछ मंचों पर पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल विपक्षी नेताओं के साथ खड़े दिखाई भी दिए, लेकिन आप की छवि एक ऐसी पार्टी की बनी रही, जिसकी महत्वाकांक्षाएं उसके भौगोलिक प्रभाव क्षेत्र से कहीं ज्यादा बड़ी थीं। इसका एक कारण शायद यह भी रहा कि पार्टी दिल्ली विधानसभा के चुनावों में तो सबका सफाया कर रही थी, पर पिछले दो लोकसभा चुनाव में वह दिल्ली की सीटों पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी थी। यह बात अलग है कि इन्हीं चुनावों में उसने पंजाब में अपनी क्षमता जरूर दिखाई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में उसने अकाली दल को पछाड़ते हुए विपक्षी दल का स्थान कब्जाया था और इस बार तो स्थापित नेताओं की तीन पीढ़ियों का उसने सफाया कर दिया। 94 वर्ष के प्रकाश सिंह बादल और 78 साल के अमरिंदर सिंह से लेकर जीवन के 60 वसंत भी न देखने वाले चरनजीत सिंह चन्नी, सभी चुनाव हार गए। एक तो आम आदमी पार्टी भारतीय राजनीति के उसी दौर की उपज है, जिसमें भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजनीति पर एक नई छाप छोड़नी शुरू की थी। -साभार

● मनोज चौबे

भारत-जापान सार्थक संवाद

जापान के नए प्रधानमंत्री फ्यूमियो किशिदा ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना, यह अपने आपमें महत्वपूर्ण है। भारत और जापान के बीच कुछ दिन पहले चौगुटे (क्वाड) की बैठक में ही संवाद हो चुका था लेकिन इस द्विपक्षीय भेंट का महत्व इसलिए भी था कि यूक्रेन-रूस युद्ध अभी तक चला हुआ है। दुनिया यह देख रही थी कि जो जापान दिल खोलकर भारत में पैसा बहा रहा है, कहीं वह यूक्रेन के सवाल पर भारत को फिसलाने की कोशिश तो नहीं करेगा, लेकिन भारत सरकार को हमें दाद देनी होगी कि मोदी-किशिदा वार्ता और संयुक्त बयान में वह अपनी टेक पर अड़ी रही और अपनी तटस्थता की नीति पर टस से मस नहीं हुई। यह ठीक है कि जापानी प्रधानमंत्री ने अगले पांच साल में भारत में 42 बिलियन डॉलर की पूंजी लगाने की घोषणा की और छह मुद्दों पर समझौते भी किए, लेकिन वे भारत को रूस के विरुद्ध बोलने के लिए मजबूर नहीं कर सके। भारत ने राष्ट्रों की सुरक्षा और संप्रभुता को बनाए रखने पर जोर जरूर दिया और यूक्रेन में युद्धबंदी की मांग भी की लेकिन उसने अमेरिका के सुर में सुर मिलाते हुए जबानी जमा-खर्च नहीं किया। अमेरिका और उसके साथी राष्ट्रों ने पहले तो यूक्रेन को पानी पर चढ़ा दिया। उसे नाटो में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और रूस ने जब हमला किया तो सब दुम दबाकर बैठ गए। यूक्रेन को मिट्टी में मिलाया जा रहा है लेकिन पश्चिमी राष्ट्रों की हिम्मत नहीं कि वे रूस पर कोई लगाम कस सकें। किशिदा ने मोदी के साथ बातचीत में और बाद में पत्रकारों से बात करते हुए रूस की काफी भर्त्सना की लेकिन मोदी ने कोरोना महामारी की वापसी की आशंकाओं और विश्व राजनीति में आ रहे बुनियादी परिवर्तनों की तरफ ज्यादा जोर दिया। जापानी प्रधानमंत्री ने चीन की विस्तारवादी नीति की आलोचना भी की। उन्होंने दक्षिण चीनी समुद्र का मुद्दा तो उठाया लेकिन उन्होंने गलवान घाटी की भारत-चीन मुठभेड़ का जिक्र तक नहीं किया। भारत सरकार अपने राष्ट्रहितों की परवाह करे या दुनियाभर के मुद्दों पर फिजूल की चौधराहट करती फिरे? चीनी विदेश मंत्री वांग यी भी भारत आ रहे हैं। चीन और भारत, दोनों की नीतियां यूक्रेन के बारे में लगभग एक-जैसी हैं। भारत कोई अतिवादी रवैया अपनाकर अपना नुकसान क्यों करें? भारत-जापान द्विपक्षीय सहयोग के मामले में दोनों पक्षों का रवैया रचनात्मक रहा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

डॉ. वेदप्रताप वैदिक
(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद् के अध्यक्ष और अफगान मामलों के विशेषज्ञ हैं)
dr.vaidik@gmail.com

राज्य सरकार ने आदेश जारी किया

अब 30 जून तक सप्ताह में 5 दिन ही खुलेंगे शासकीय कार्यालय

जन प्रकाशन ■ भोपाल

मध्यप्रदेश में अब अगले तीन महीनों तक सभी शासकीय कार्यालयों में सप्ताह में सिर्फ पांच दिन ही कामकाज होगा।यानी इन सरकारी कार्यालयों में पूर्व की भांति सप्ताह में 5 दिन सोमवार से शुक्रवार तक ही कार्य दिवस का नियम लागू रहेगा। इसको लेकर राज्य शासन की ओर से पूर्व में जारी किया आदेश जो 31 मार्च तक के लिए प्रभावी है, 22 अक्टूबर 2021 को जारी किया गया था। अब सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 23 मार्च बुधवार को जारी आदेश में कहा गया है कि सप्ताह में 5 दिन तक कार्यालय खुलने की समयावधि आगामी 30 जून तक बढ़ाई गई है। इस आदेश का सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त कलेक्टरों को पालन करने के लिए कहा गया है।

इंदौर में बोले मंत्री कमल पटेल

जाट हमेशा से रहे राष्ट्रवादी, इतिहास में पेश नहीं की सही तस्वीर

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

जाट कौम हमेशा से राष्ट्रवादी रही है। आजादी के आंदोलन में जाट अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। इसके बावजूद हमारे इतिहास को कभी भी सही रूप से पेश नहीं किया गया। नई शिक्षा नीति में राष्ट्रवादी लोगों के इतिहास को पढ़ाया जाएगा। ऐसे में हमारी जाति के वीर योद्धाओं को भी इतिहास में उचित स्थान मिलेगा। जरूरी है कि इतिहास की तरह ही वर्तमान में भी हमारी गौरवशाली परंपरा कायम रहे। इसके लिए हमें शिक्षा, व्यवसाय, उन्नत कृषि, नशा मुक्त समाज के साथ ही समाजिक कुरुतियों को खत्म करना होगा। समाज के व्याप्त फिजूलखर्ची पर भी लगाम लगानी होगी। तभी समाज संपन्नता और उन्नति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

यह बात प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने अखिल भारतीय जाट महासभा मप्र के प्रांतीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। महासभा का दो दिवसीय महाअधिवेशन का आरंभ मधुर मिलन गार्डन पीपल्याराव बोट क्लब रोड पर हुआ। सम्मेलन में प्रदेश के अलावा राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, बिहार, जम्मू कश्मीर से भी समाज के पदाधिकारी और समाजजन मौजूद थे। सम्मेलन में कई प्रमुख मुद्दों पर समाजजन ने अपने विचार रखे। जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विलास पटेल व शहर अध्यक्ष सीएल मुकाती ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ अतिथियों ने आराध्य देव तेजाजी महाराज के सम्मुख दीप प्रज्जवलन कर किया।

अधिवेशन में नशा मुक्त समाज, शिक्षा, व्यवसाय, उन्नत कृषि, पुनर्विवाह, फिजूलखर्ची पर चर्चा की गई, ताकि समाज को आगे बढ़ाया जा सके और नौजवानों को उत्तम करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी युद्धवीरसिंह राष्ट्रीय महासचिव जाट महासभा, चौधरी राजाराम मील प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान जाट महासभा, कृषि मंत्री कमल पटेल मौजूद रहे।

राशिफल

मेष
भागीदार के साथ व्याप्त गलतफहमियों का निराकरण हो सकेगा। बातचीत, तर्क, कार्यकुशलता का प्रभाव रहेगा।

वृष
कहीं से रुका हुआ रुपया मिलेगा। व्यापार में लापरवाही न करें। नई कार्ययोजना पर चर्चा होगी। फिजूलखर्ची से दूर रहना आवश्यक है।

मिथुन
पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। आपसी विश्वास, सामंजस्य से कार्य पूर्ण हो सकेंगे। व्यावहारिक जवाबदारी निभा पाएंगे।

कर्क
समय पर कार्य होने से काम-काज के प्रति नई आशा का संचार होगा। आर्थिक मामलों को समय पर निपटाएं।

सिंह
सही-गलत का निर्णय लेने में देरी न करें। व्यापार अच्छा चलेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग बनेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी।

कन्या
प्रवास संभव है। व्यावहारिक संबंध सुधरेंगे। राज्यपक्ष में अनुकूलता बढ़ेगी। दूसरों के कारण अनायास प्रगति होगी।

तुला
बातचीत, विचार-विमर्श के सही परिणाम देखने को मिलेंगे। कार्यों में प्रयास, परिश्रम से संतोष रहेगा।

वृश्चिक
नई योजनाएं सार्थक होंगी। अपरिचितों पर अधिक विश्वास न करें। पूंजी निवेश संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु
काम में रुकावटें आएंगी, जिससे परेशानी हो वही बात सामने आ सकती है। व्यापार-व्यवसाय का अधिक फैलाव न करें।

मकर
अपरिचितों पर अधिक विश्वास न करें। पूंजी निवेश संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कुंभ
संयमित व्यवहार करना होगा। तात्कालिक समस्या, मतभेंदों का निराकरण हो पाएगा। कोर्ट, कचहरी के कामों में सावधानी रखें।

मीन
किसी से विवाद हो सकता है। व्यर्थ के कार्यों में खर्चा होगा। व्यापार की समस्याओं का हल नहीं हो पाएगा।

बुजुर्ग मां को घर से निकालकर बेटे ने जमाया कब्जा, अब सहारा बनी चारों बेटियां

पुलिस पंचायत में बुधवार को 13 प्रकरण आए थे, उनमें से 9 में समझौता हुआ है, बाकी 4 प्रकरण में अगले बुधवार की पेशी लगाई गई है

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत की काउंसलिंग 23 मार्च बुधवार को सेटेलाइट बिल्डिंग स्थित एडीसीपी जौन 4 ऑफिस में आयोजित की गई। इस काउंसलिंग में एडीसीपी डॉ प्रशांत चौबे, काउंसलर आरडी यादव, बी डी कुसगोटिया और उत्तम यादव की उपस्थिति में विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई की गई।

केस-1

पुलिस पंचायत में बुधवार को एक बुजुर्ग दंपत्ति आए और कहने लगे कि उनके बेटे की कोरोना में मृत्यु हो गई थी। बहू ने इसी बात का फायदा उठाते हुए उन्हें प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उनके बैंक के खाते में भी बहू ने अपना नाम जुड़वा दिया है। उन्हें इस बात की जानकारी भी नहीं थी वह उनके अकाउंट से पैसे निकाल लेती थी। बहु से चर्चा की गई उसने कहा है कि वह अपने सास-ससुर से इस बारे में बात करेगी और शीघ्र ही समस्या का समाधान करेंगे और उनकी दी हुई संपत्ति को भी हो वापस कर देगी।

केस-2

बेटियां बनी मां का सहारा पुलिस पंचायत में बुधवार को उस समय सबकी आंखें नम हो गई जब एक 70 वर्षीय सीनियर सिटीजन अपनी व्यथा सुना के रोने लगी। उनके पति की मृत्यु होने के बाद उनके बेटे ने उनके घर पर कब्जा कर लिया था और उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था। उनकी 4 बेटियां हैं और वह चारों बेटियों के यहां बारी-बारी से रहकर अपना गुजर-बसर कर रही हैं। उनका बेटा उन्हें भरण पोषण भी नहीं देता है पुलिस पंचायत में उनकी पूरी व्यथा सुनी और अगले बुधवार को बेटे को बुलाकर समझाइश दी जाएगी।

केस-3

पुलिस पंचायत में सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई थी कि वह अपने पुत्र से बहुत परेशान है। वह घर में ही रह कर उन्हें आए दिन प्रताड़ित करता रहता है । इस पर उनके पुत्र को समझाइश देने पर पुत्र समझौता करने को तैयार नहीं हुआ तो सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत कार्रवाई करने के लिए आवेदन को थाने भेजा गया है।

केस-4

एक 80 वर्षीय सीनियर सिटीजन द्वारा शिकायत की गई थी उनका बेटा उन्हें बहुत परेशान करता है । उन्होंने अपने रिटायरमेंट के पैसे से घर खरीदा था उसने घर पर भी कब्जा कर लिया है और उनकी गाड़ी भी वही चलाता है। गाड़ी उनके नाम होने से चालान उनके नाम आता है। जो उन्हें भरना पड़ता है और वह कहता है कि आप मुझे खर्चे के लिए पैसे दो नहीं तो मैं तुम्हारा बैंक अकाउंट पूरा खाली कर दूंगा।

सीनियर सिटीजन हार्ट पेशेंट एवं बीपी और कोलेस्ट्रॉल के पेशेंट है। इस पर उनके बेटे से चर्चा की गई और अगले बुधवार उसे बुलाया गया है।

SONI JI की अमानक नम्बर प्लेट के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट की रील, यातायात प्रबंधन पुलिस ने की कार्यवाही

पुलिस ने अमानक नम्बर प्लेट भी निकलवाई और जुर्माना भी किया

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

पुलिस उपायुक्त, यातायात प्रबंधन, महानगर इंदौर महेश चंद जैन द्वारा यातायात प्रबंधन पुलिस की टीमों को निर्देशित किया गया है कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त व प्रभावी कार्यवाही करें। खास तौर पर रेड लाइट का उल्लंघन कर आमजनमानस का जीवन संकट में डालने वाले वाहन चालकों पर, तेज/कर्कश ध्वनि मोडिफाइड साइलेंसर वाहनों पर, तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले वालों पर, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना नंबर/अमानक नंबर प्लेट वाहनों पर निरंतर कार्यवाही करें।

यातायात प्रबंधन पुलिस की टीम सोशल मीडिया पर यातायात के नियमों का उल्लंघन कर साइलेंसर ब्लास्टिंग, तेज/लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाना , स्टंटबाजी, अमानक नंबर प्लेट आदि फोटो/ वीडियो मिलने पर भी प्रमुखता से कार्यवाही कर रही है।

क्यूआरटी -टीम 3 के प्रभारी सूबेदार काजिम हुसैन रिजवी जंजीरवाला क्षेत्र में यातायात प्रबंधन का कार्य कर रहे थे, इसी दौरान रजिस्ट्रेशन नम्बर की जगह SONI JI लिखी एक अमानक नंबर प्लेट बाइक तेज गति से निकली, जिसे वायरलेस सेट पर प्रसारण कर हाई कोर्ट चौराहा पर प्रधान आरक्षक रंजीत सिंह के माध्यम से रुकवाई गई।

उक्त अमानक नम्बर प्लेट बाइक का वीडियो यातायात प्रबंधन पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने 3 दिन पहले देखकर कार्यवाही हेतु यातायात प्रबंधन टीम को साझा किया गया था। दरअसल वाहन चालक सार्थक सोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील अपलोड की थी, जिसके शब्द पुलिस यदि रोकती है, चालान काटती है, तो कटवा लेंगे और कटवाया भी है, मगर हम अपना नाम नहीं हटाएंगे आडियो पर रील बनाकर अपलोड की थी। पुलिस ने उक्त बाइक क्रमांक एमपी-20-एनएस-7297 को जप्त कर यातायात थाना परिसर में खड़ा करवाया। सूबेदार रिजवी द्वारा गाड़ी पर लगी SONI JI की अमानक नंबर प्लेट को हटाकर, वाहन चालक द्वारा तय मानक अनुसार नंबर प्लेट लगवाने के पश्चात जुर्माना कर समन शुल्क राशि वसूली गयी। यातायात प्रबंधन पुलिस ने हिदायत दी कि यातायात के नियमों का पालन कर ही वाहन चलाएं।

शहर विकास की कड़ी में अनूठी पहल : मंदिर प्रबंधन ने बाधक हिस्सा हटाने की दी सहमति

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

निगम आयुक्त प्रतिभा पाल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बड़ा गणपति चौराहा से कृष्णपुरा छत्री तक बनाए जा रहे स्मार्ट रोड चौड़ीकरण कार्य के संबंध में बड़ा गणपति मंदिर पहुंची ।आयुक्त द्वारा रोड चौड़ीकरण में बाधक बड़ा गणपति मंदिर के प्रवेश द्वार के संबंध में मंदिर के शास्त्री दधीच परिवार से चर्चा की गई।

चर्चा में दाधीच परिवार द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत रोड चौड़ीकरण में बड़ा गणपति मंदिर के प्रवेश द्वार का बाधक हिस्सा पीछे शिफ्ट करने पर अपनी सहमति दी गई तथा बाधक हिस्सा शिफ्टिंग के लिए 25 मार्च से कार्य शुरू करने का आयुक्त से अनुरोध किया। इस पर आयुक्त द्वारा शहर विकास में किए जा रहे कार्य में सहयोग करने पर अपनी सहमति प्रदान की गई।

इसके साथ ही बड़ा गणपति मंदिर के आगे व्यास मंदिर के प्रबंधक द्वारा भी रोड चौड़ीकरण में बाधक हिस्सा हटाने पर सहमति दी गई तथा श्री सत्यनारायण मंदिर एवं बजरंगबली मंदिर के पुजारियों से भी चर्चा की गई उनके द्वारा भी शहर हित में मंदिर के बाधक हिस्सा हटाने की सहमति दी गई।

राष्ट्रीय रक्षा एवं सामरिक अध्ययन हेतु राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणरत अधिकारी पहुंचे इंदौर

कलेक्टर मनीष सिंह ने प्रशिक्षणरत अधिकारियों को बतायीं इंदौर की विशेषताएं

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

राष्ट्रीय रक्षा एवं सामरिक अध्ययन हेतु राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के प्रशिक्षणरत अधिकारी मध्य प्रदेश के दौरे पर है। इसी क्रम में उक्त अधिकारी 23 मार्च से 25 मार्च तक इंदौर के भ्रमण पर रहेंगे।

उक्त प्रशिक्षणरत अधिकारियों को इंदौर की विशेषताएं एवं अन्य उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी देने के लिए आज एआईसीटीएसएल के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मनीष सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनीष कपूरिया, नगर निगम आयुक्त प्रतिभा पाल, राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के एसडीएस मेजर जनरल हरि.बी. पिल्लई, आईपीएस सोलोमन यश कुमार एवं राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के अन्य प्रतिनिधिगण सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों की जागरूकता और अनुशासन से इंदौर बना नंबर वन

कलेक्टर मनीष सिंह ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधियों को इंदौर की विशेषताओं के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि विगत दिवस इंदौर में आयोजित गेर में पांच लाख से अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया। इसमें 30 प्रतिशत महिलाएं एवं वृद्धजन शामिल रहे और पूरे समारोह में किसी भी तरह का मॉलेस्टेशन का केस या अन्य कानूनी व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। यह है इंदौर के नागरिकों की जागरूकता और अनुशासन का प्रमाण। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की एकजुटता से ही इंदौर पिछले 5 वर्षों से स्वच्छता के क्षेत्र में नंबर वन रहा है।

कलेक्टर सिंह ने बताया कि अन्य विदेशी देशों में सॉलिड वेस्ट 7 दिन में एक बार एकत्रित किया जाता है जबकि इंदौर में आवासीय क्षेत्रों में प्रतिदिन सॉलिड वेस्ट एकत्रित किया जाता है एवं कमर्शियल क्षेत्रों में दिन में दो बार कचरा कलेक्शन किया जाता है। इंदौर में वेस्ट को सोर्स पर ही सेग्रिगेट किया जाता है साथ ही गीले एवं सूखे कचरे की प्रोसेसिंग पृथक-पृथक की जाती है। जिससे यहां उत्पन्न होने वाली एनर्जी की कैलोरीफिक वैल्यू कई गुना ज्यादा होती है।

उन्होंने बताया कि इंदौर में आवास योजना के तहत सैंडविच पैनल तकनीक पर आवासों का निर्माण किया जा रहा है। यहां कन्वेंशनल टेक्नोलॉजी की जगह नवाचार को प्राथमिकता दी जाती है। कलेक्टर सिंह ने बताया कि जिले में भूमि तथा जल की साफ सफाई पर तो ध्यान दिया ही है बल्कि अब वायु प्रदूषण को भी नियंत्रित करने की दिशा में प्रशासन अग्रसर है। उन्होंने कहा कि 1 साल की अवधि के अंदर इंदौर जिले का पीएम 10 परमीसिबल लिमिट प्राप्त कर लेगा और इंदौर की वायु गुणवत्ता देश के महानगरों में सबसे उच्च होगी।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि इंदौर को आईटी हब बनाने के लिए भी प्रयास जारी है। यहां पर स्टार्टअप पार्क एवं डाटा कलेक्शन पार्क भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदौर में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन एवं नागरिकों की जागरूकता एवं एकजुटता से ही इंदौर देश में अपनी अलग पहचान बना पाया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली के प्रतिनिधि राष्ट्रीय रक्षा एवं सामरिक अध्ययन हेतु देश के विभिन्न क्षेत्रों का सोशियो-इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव से अवलोकन कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रतिनिधियों द्वारा इंदौर का दौरा किया जा रहा है।

आईडीए अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ पहुँचे 'द कश्मीर फाइल्स' देखने

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा द्वारा फिल्म कश्मीर फाइल्स को प्राधिकरण के अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजनों को दिखाने के उद्देश्य से दिनांक 23 मार्च बुधवार को मल्हार माल स्थित सिनेमा गृह में निशुल्क शो आयोजित किया। जिसमे विवेक क्षोत्रिय सहित बड़ी संख्या मे वरिष्ठ अधिकारीयो एवं कर्मचारियों के परिवार उपस्थिति रही।

जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि इस प्रकार की सर्वश्रेष्ठ फिल्म को सभी लोगों को अधिक से अधिक संख्या में देखना चाहिए और दिखाया जाना चाहिए।

1 लाख 30 हजार रुपए नगदी सहित 19 मोबाईल फोन और ताश की 15 गड्डियां जप्त

पुलिस थाना एमआईजी द्वारा 19 लोगों को जुआं खेलते पकड़ा

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

पुलिस कमिश्नर इन्दौर हरिनारायणचारी मिश्र ने इन्दौर शहर मे अपराधियों पर रोकथाम लगाने एवं शहर मे चल रहे अवैध गतिविधियां जैसे जुआं सट्टा पर प्रतिबंध लगाने के संबंध मे निर्देश दिये गये थे । जिसके पालन मे पुलिस उपायुक्त जोन-2 अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन -2 सहायक पुलिस आयुक्त परदेशीपुरा के निर्देशन मे थाना प्रभारी अजय कुमार वर्मा थाना एमआईजी इन्दौर को निर्देशित किया। जिसके तारतम्य मे थाना एमआईजी क्षेत्र में बुधवार 23 मार्च को थाना पर सूचना प्राप्त हुई कि जगजीवनराम नगर इन्दौर मे करीबन 15 से 20 लोग अवैध तरीके से जुआं खेल रहे है।

सूचना पर विश्वास कर स्वंय थाना प्रभारी फोर्स के साथ घटना स्थल जगजीवन राम नगर पहुंचे। वहां से जुंआ खेलने वालो को हमराह फोर्स की मदद से घैराबंदी कर कुल 19 लोगो को पकड़ा। जिनमें फकरूद्दीन सेन,अशोक, साजन सुनहरे, महेश देवली, सानू पठान, राजकुमार गहलोत, मोहम्मद असलम, जितेन्द्र जाटव, राधेश्याम पाल, रितेश दवे, दीपक रगुवंशी, संजय कश्यप, गुड्डू नायक , रितेश नागर, सोहन सेजकर, इकबाल राणा, हर्षित अहिरवार, शुभम सुनहरे और राजेश शर्मा को पकडा जिनकी तलाशी लेते उनके कब्जे

अजय कुमार वर्मा, थाना प्रभारी

से कुल नगदी 1 लाख 30 हजार रूपये, 19 मोबाईल फोन व तास की 15 गड्डीयां जप्त करके सभी आरोपी गणों को मय जप्त मश्रुका के फोर्स के मदद थाना लेकर आये।

आरोपी गणों के विरूद्ध थाना एमआईजी पर अपराध धारा 13 जुआं एक्ट का पंजीबद्ध किया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अजय कुमार वर्मा, उनि प्रेमसिंह टैगोर, प्र.आर.2879 राजेन्द्र प्र.आर. 2829 अनिल वर्मा , आर. 2251 सुभाष , आर. 3512 अविनाश, की अहम भूमिका रही ।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देवी अहिल्या वि.वि. के वार्षिक दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को उपाधियां एवं पदक प्रदान किये

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राज्यपाल एवं उच्च शिक्षा मंत्री सहित पर्यटक मंत्री मौजूद रहे। इस समारोह में साल 2019- 20 और 2020-21 के टॉपर्स को मैडल और डिग्री दी गई। बता दें कि दीक्षांत समारोह में लगभग 200 मैडल दिए गए। टॉपर्स की लिस्ट में सबसे ज्यादा गोल्ड मैडल लड़कियों को मिले। लड़कियां गोल्ड और सिल्वर मैडल में लड़कों से आगे रही।

विश्व विद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सत्र 2019-20 एवं 2020-21 के टॉपर्स और पीएचडी डिग्री वाले छात्रों को मैडल व उपाधि से सम्मानित किया गया। कुछ विद्यार्थी ऐसे भी हैं जिन्हें 4 से 5 मैडल भी दिए गए। इस समारोह की खास बात यह रही कि यह पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में आयोजित किया गया। समारोह के प्रारंभ में डिग्री और मैडल को लेकर विवाद की भी स्थिति उत्पन्न हुई। यह स्थिति राज्यपाल के हाथो मैडल और डिग्री नही मिलने को लेकर विद्यार्थियो ने हंगामा किया। समारोह में सिर्फ 50 विद्यार्थियों को ही मैडल राज्यपाल के हाथों दिया जा रहा था । हंगामे के बाद सभी विधार्थियो को राज्यपाल के हाथो मैडल दिए गए। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री उषा ठाकुर भी उपस्थित थीं।

मध्यप्रदेश भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर, विधायक रामेश्वर शर्मा ने सीएम शिवराज को दी बुलडोजरों से सलामी

जन प्रकाशन ■ भोपाल

मध्यप्रदेश मे शिवराज सरकार के चौथे कार्यकाल की सरकार को दो साल पूरे हो गए। इस अवसर पर भोपाल से ही भाजपा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने शिवराज जी के बेनर पोस्टर

लगे बुलडोजर अपने मालवीय नगर स्थित बंगले पर खड़े कर दीए। इसके साथ ही उन्होंने गाजे-बाजे के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भव्य स्वागत किया। खास बात यह है कि सीएम शिवराज सिंह चौहान के आगमन के दौरान बुलडोजर मामा जिंदाबाद के नारे लगाए गए।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुलडोजर मामा के नाम से सीएम शिवराज के पोस्टर भी लगवाए हैं। इस मौके पर भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर शिवराज ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का हमेशा मार्गदर्शन मिला है। प्रदेश संगठन का भी हमेशा साथ मिला है। संगठन और सरकार मिलकर आदर्श तरीके से काम कर रहे हैं। मैं बहुत सौभाग्यशाली व्यक्ति हूं जिसके साथ ऐसी टीम है। हम सब मिलकर बहुत बहतर काम कर रहे हैं। वहीं उन्होंने अपराध को लेकर कहा कि मध्यप्रदेश में अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बहन, बेटी, बेटियों पर जो गलत नजर उठएगा उसके लिए सामान्य सजा पर्याप्त नहीं है। ऐसे अपराधियों को ऐसा सबक सिखाएंगे की वो कांप जाएंगे बता दें कि इस समय बड़े लेवल का अपराध करने वाले अपराधियों को सख्त सजा के साथ ही उनका घर भी बुलडोजर से ढहा दिया जा रहा है। जिससे अपराधियों में भय का माहौल है।

इन्दौर में पुलिस अलर्ट मोड पर...

शहर में आने-जाने वालों पर होगी पुलिस की पैनी नजर

लाज, होटल, धर्मशाला समेत किराए से रहने वालों की जानकारी थाने में देना होगी

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

इन्दौर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद पुलिस अपराधियों से सख्ती से पेश आ रही है। इसी कड़ी में अब शहर की सुरक्षा को लेकर इंदौर पुलिस ने कमर कस ली है। अब बहार से आकर शहर में कदम रखने वाले हर शख्स की पूरी जानकारी पुलिस को होगी। इसके लिए खासतौर पर होटल संचालकों और मकान किराए पर देने वालों के लिए कड़े नियम लागू किए गए हैं। साथ ही आनलाइन सामान की डिलेवरी करने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर रखेगी।

इसको लेकर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्रा ने धारा 144 के तहत आयोजन, नशीली दवाइयां, इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट,रैली जुलुस सहित किराएदार मकान मालिक, होटल, लाज में ठहरने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

बता दें कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस आदेश के अनुसार शहर में बाहर से आने वाले लोगों की जानकारी जुटाने पर पुलिस खास नजर रखेगी। इसके तहत होटल संचालकों को जहां प्रतिदिन रुकने वाले लोगों की जानकारी पुलिस थाने में देनी होगी वहीं तकनीक का सहारा लेकर पुलिस किराएदार, होटल में ठहरने वालों का जानकारी जुटाएगी। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों पूर्व ही भोपाल में बांग्लादेशी आतंकी पकड़ाए थे। वे आतंकवादी बहुत लंबे समय से किराए से भोपाल में रह रहे थे। इस घटना के बाद इन्दौर पुलिस सुरक्षा

मामलों को लेकर अलर्ट पर है। अब होटल, लाज, धर्मशाला आदि में रूकने वाले व्यक्तियों व किराए से मकान लेकर रहने वालों के संबंध में आइसीजेएस साफ्टवेयर तथा मोबाइल फेस फोरेंसिक एप से जानकारी सर्च की जाएगी।

बता दें कि आइसीजेएस पुलिस का एक साफ्टवेयर है, जिस पर एफआइआर व चार्ज शीट की जानकारी डाली जाती है, जबकि एप के जरिए व्यक्ति का चेहरा भी रिकार्ड में रहेगा और अपराधिक मामलों के बारे में पता लगाया जा सकेगा। इस आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आनलाइन शापिंग, होम डिलेवरी, कोरियर का काम करने वाली कंपनियों के लोग जो घर-घर जाकर पार्सल वितरित करते हैं, उनकी भी जानकारी थाने पर दी जाए।

उल्लेखनीय है कि अभी आनलाइन सामान खरीदने का चलन काफी बढ़ गया है और बड़ी संख्या में डिलेवरी बाय शहर में दिन भर सड़कों पर घूमते नजर आते रहते है। इसके अलावा ये डिलेवरी बाय शहर के विभिन्न इलाकों में घरों तक दस्तक देते हैं। इन्दौर शहर में करीब 600 होटल है और इन होटलों में कुल मिलाकर 4000 से ज्यादा कमरे है।औसतन 8000 लोग इन होटलों में प्रतिदिन शहर में रूकते हैं। यह जानकारी सूत्रों के आधार पर लिखी गई है।

पुलिस आदेश के मुताबिक

- किराएदारों की सूचना संबंधित मकान, दुकान मालिक द्वारा संबंधित थाने पर प्रारूप में दी जाए और उनके आइडी प्रूफ लिया जाए।
- घरेलू कामगारों व व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना संबंधित मालिक द्वारा थाने पर दी जाए।
- छात्रावासों में रह रहे छात्र व छात्राओं की सूचना दी जाए।
- होटल, लाज, धर्मशाला में रूकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए व ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची प्रारूप में प्रतिदिन थाने पर दी जाए। आइडी प्रूफ भी लिया जाए।
- भवन निर्माण व अन्य निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों, कारीगरों की सूचना ठेकेदार द्वारा प्रारूप में थाने पर देने के उपरांत ही उन्हें काम पर रखा जाए
- पुलिस द्वारा शुरू किए गए अतिथि पोर्टल पर भी जानकारी दर्ज की जाए।
- ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो पंद्रह दिवस से अधिक समय तक निवास कर रहे हो तत्काल थाने पर दी जाए।
- स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर पर कार्य करने वालों सहित निजी सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त किए गए गार्ड की जानकारी भी थाने पर दी जाए।
- विदेशी व्यक्तियों के संबंध में भी तत्काल सूचना एफआरआरओ शाखा को दी जाए।

कलेक्टर मनीष सिंह ने किया वैक्सीनेशन सेंटर का शुभारंभ

अब 12 से 14 साल के बच्चों को लगेगा कोरोना का टीका

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

स्वच्छता में नंबर वन इंदौर शहर वैक्सीनेशन के मामले में भी नंबर वन रहा है। लेकिन अब वैक्सीनेशन की बारी है 12 से 14 वर्ष के बच्चों की, जिनका वैक्सीनेशन होना है। जिसके लिए पूरी तैयारी इंदौर शहर में कर ली गई है। जिसके चलते कुल 187 सेंटर बनाए गए हैं जिसमें से 103 सेंटर इंदौर शहर के है वहीं 84 सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए है, जिसमें सवा लाख बच्चों का वैक्सीनेशन होना है। वहीं बच्चों के लिए स्कूलों में उचित व्यवस्था भी की गई है। गर्मी के मौसम को देखते हुए विद्यार्थियों को ओआरएस घोल भी पिलाया जा रहा है। वहीं अभिभावकों से कहा जा रहा है कि बच्चों को नाश्ता कराकर ही वैक्सीनेशन के लिए भेजा जाए। बता दें कि वैक्सीनेशन के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह की व्यवस्था स्कूलों में की गई है। इसके साथ ही इंदौर शहर में बुधवार को 45 से 50 हजार तक का टारगेट रखा गया है, वहीं वैक्सीनेशन सेंटर का शुभारंभ इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा किया गया।

पाल साहब
इंदौरी ढाबा
वेज नानवेज
SWIGGY zomato
पर भी आर्डर उपलब्ध है
M : 9406955474, 9826085474
पता : रेजेन्सी पैलेस, मेघदूत गार्डन व मैरियट होटल के सामने विजय नगर, इंदौर

टीवी सुन्दरम् अयंगर के 145 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया गया स्थापना दिवस

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

टीवी सुंदरम अयंगर के 145 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 22 मार्च, मंगलवार को फाउंडर्स डे मनाया गया। इस आयोजन में प्रमुख रूप से संस्था के जीएम एमएस रविचंद्रन एवं जीएम आर मुरुगन व एजीएम मनोज पाण्डेय, आरएसएम अशोक लीलैंड एन प्रकाश एवं वाईआरसी के डायरेक्टर मनोज चौबे एवं किरन चौबे तथा एएसएम अशोक लीलैंड अपूर्व जी उपस्थित थे। इस गरिमामय आयोजन में संस्थान से जुड़े सभी लोग शामिल हुए।

नारी को नारों की जरूरत नहीं

- आशीष चौबे
सहसंपादक, भोपाल

काफी वर्षों से हम यह देखते सुनते आए हैं कि हमारे देश सहित दुनिया के कई देशों में नारी स्वतंत्रता और नारी के समान अधिकारों की पैरोकार की जाती रही है। लोग नारी और पुरुषों के लिए समानता की बात करते हैं, लेकिन यहां पर यह बात गौर करने योग्य है कि अक्सर यह कहा जाता है कि नारी को पुरुषों के समान अधिकार मिले और पुरुषों के समान ही अवसर प्राप्त हो। अब सोचने वाली बात यह है कि किसी मामले में पुरुषों को नारी के समान अधिकार और अवसरों की बात नहीं की जाती। इससे यह भी स्पष्ट है कि अवसरों और अधिकारों पर पुरुषों का वर्चस्व कायम है। यह लंबे समय से चला आ रहा है। इस बात की जड़ में जाने की हम कोशिश करते हैं तो पाते हैं कि समाज पितृसत्तात्मक था वो भी अनादि काल से। हमेशा से दुनिया की अलग-अलग सभ्यताओं में पुरुष प्रधानता स्थापित रही है। यह स्थापित कैसे हुई होगी, इस विषय पर शोध किया जा सकता है।

फौरी तौर पर लोग या कह देते हैं कि डार्विन के सिद्धांत के अनुसार सर्वाइवल आफ द फिटेस्ट के अनुपालन में शायद पुरुष स्त्रियों की तुलना में ज्यादा उपयुक्त रहा होगा। यही कारण है कि समाज पितृसत्तात्मक हो गया। यहां बहुत सी बातों पर विचार करना जरूरी है, मसलन एक बेटी को बचपन से ही परिजनों के द्वारा एक ऐसे माहौल में रखा जाता है कि उन्हें लड़कों की तुलना में अलग होना बार-बार महसूस होता रहे। बचपन से ही लड़कियों के अक्सर बड़े बाल रखे जाते हैं। अब कभी किसी अप्रिय स्थिति में अगर उनका किसी साथ पढ़ने या खेलने वाले लड़के से झगड़ा या हाथापाई होती है, तो ऐसी स्थिति में उनके बालों के कारण उन्हें असहजता महसूस होती है। उनके बाल पकड़कर उन पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बालों की देखभाल करने उन्हें संवारने में भी उन्होंने काफी समय खर्च करना होता है। इसी प्रकार लड़कों को मजबूत जूते तो लड़कियों को अटपटी सी सेंडिल या चप्पलें या ऊंची एड़ी की कुछ इस तरह की पादुका पहनने का फैशन है जिन्हें पहनकर वह तेज चल नहीं सकती और दौड़ तो बिल्कुल भी नहीं सकती। ऐसी स्थिति में अगर उन्हें कभी दौड़ने की आवश्यकता पड़े तो कठिन हो जाता है। इसके पश्चात हम बात करते हैं पहनावे की। लड़कियों की स्कर्ट, लहंगा या फिर कोई अन्य ड्रेस हो, वह कुछ इस तरह की होती है कि वे सहज रूप से बहुत फुर्ती से काम नहीं कर पाती। ऐसे वस्त्रों में दौड़ना भागना सहज नहीं होता। यह सब किसने तय कर दिया और क्यूँ? ऐसा लगता है कि कहीं ना कहीं सुनियोजित ढंग से लड़कियों को इस तरह से माहौल में ढाला गया है कि वे पुरुषों की तुलना में शारीरिक बल और गति में कुछ कम बनी रहे। अब ऐसा किसने और क्यों किया और स्त्रियों ने यह क्यों स्वीकार कर लिया इस बात पर विमर्श किया जा सकता है।

अनेक परिवारों में यह भी एक विचित्र सी बात देखी है कि लड़के और लड़की के प्रति परिवार का व्यवहार अलग अलग होता है। लड़कों के कपड़े, जूते, खिलौने और खाने-पीने पर परिवार विशेष ध्यान देता है। लोग उन्हें हर चीज अपनी क्षमता के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध कराने की कोशिश करते हैं। वही

बालिकाओं के प्रति दोहरा रवैया रहता है। उसे बेटों के उपयोग के बाद बची हुई चीजें ही मिलती हैं। उसके लिए परिवार में प्राथमिकता नहीं माना जाता है। शिक्षा और खेलकूद के अवसर भी उसे लड़कों की तुलना में कम मिलते हैं। उस पर अनावश्यक प्रतिबंध भी बचपन से ही लगाए जाने लगते हैं, इनमें उनके घूमने-फिरने, बाहर जाकर खेलने-कूदने पर पाबंदियां आदि शामिल हैं। कई क्षेत्रों में तो उन्हें शिक्षा भी पूरी करने के अवसर नहीं दिए जाते।

शासन की लाख कोशिशों के बाद भी देश में बेटियों के बाल विवाह पर रोक नहीं लगाई जा सकी है। आज भी हम अखबारों में बाल विवाह रुकवाने के कई किस्से पढ़ते हैं, लेकिन जो चुपचाप संपन्न हो जाते हैं उनका कोई हिसाब ही नहीं है। पिछले दिनों सरकार ने बेटियों के विवाह की अधिकतम आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की घोषणा की। गौरतलब है कि लड़कों के विवाह के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु भी 21 वर्ष ही है। कुछ लोगों ने इस फैसले का भी विरोध किया। अब इस विरोध का कारण समाज की पुरुष प्रधानता का ही कोई विकृत रूप कहा जा सकता है। हालांकि यह फैसला सही मायनों में समानतामूलक है।

अभी कोरोना काल में जब लॉक डाउन की स्थितियां थीं और वैकल्पिक रूप से ऑनलाइन पढ़ाई हो रही थी, उन दिनों भी यह बात रेखांकित हुई कि डिजिटल माध्यमों तक बेटों की तुलना में बेटियों की पहुंच बहुत कम रही। अब परिवार ऐसा क्यों करते हैं इस बात पर विमर्श किया जा सकता है। पढ़ाई के लिए भी बेटियों को मोबाईल, कम्प्यूटर और इन्टरनेट शासन द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं अनियंत्रित लिंगानुपात को नियंत्रित करने के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं वहीं बालिकाओं के प्रति समाज का रवैया बदलने के लिए अनेक योजनाएं आरंभ की गई है जिनमें लाडली लक्ष्मी जैसी महत्वाकांक्षी योजना मध्यप्रदेश में स्थापित है बालिकाओं को अध्ययन करने के लिए भी अनेक योजनाएं प्रदेश में हैं, उन्हें छात्रवृत्ति गणवेश साइकल और लैपटॉप जैसी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी शासन निरंतर प्रयास कर रहा है अनेक सामाजिक संस्थाएं इस विषय पर काम कर रही हैं बुद्धिजीवी वर्ग स्पष्ट रूप से समान अधिकारों की बात करता है किंतु उसके बाद भी समाज में स्थितियां आदर्श तो नहीं कही जा सकती हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में लगातार सुधार परिलक्षित हो रहा है लेकिन गुंजा है अभी भी बाकी है।

समाज में बहुत ही स्पष्ट रूप से दो तरह का चरित्र स्त्रियों को लेकर देखा जाता है। जहां एक तरफ साहित्य में और कई पौराणिक ग्रंथों में स्त्री को देवी का दर्जा दिया गया है, उसे पूज्य बताया गया है, वहीं वास्तविकता में समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का नागरिक समझा गया है और उसे पुरुषों के अधीन रहने के लिए विवश किया गया है। आदर्शों और वास्तविकता का यह घोर विरोधाभास वर्षों से स्थापित है। हम स्त्री कोअपने आदर्शों, दर्शन और साहित्य में 'लार्ज़र देन लाइफ' और वास्तविकता में 'शार्टर देन लाइफ' मानते रहे हैं। यह दोगलापन हमारे आचरण में कुछ यूँ पैठ गया है कि हम अब इसे स्वाभाविक मानने लगे हैं।

अनादि काल से मूल्यवान वस्तुओं जमीन और भवन आदि का स्वामित्व स्वामित्व पुरुषों के पास ही रहा है। देश के संविधान ने स्त्रियों के लिए पैत्रिक संपत्ति में अधिकार का प्रावधान अवश्य किया है, किंतु वास्तविकता में स्थितियां बहुत हद तक अभी भी सुधरी नहीं कहीं जा सकती हैं। खासकर गाँवों में हालात और भी ज्यादा खराब हैं। हम अपने आस-पास के गाँवों में सरपंच पति या आशा पति जैसे नमूने आसानी से देख सकते हैं, जो अपनी पत्नी के अधिकारों का खुले आम आच्छादन करते दीखते हैं। महिलाओं के नौकरियों में आरक्षण देने से स्थितियों में सुधार होना आरम्भ हुआ है। हांलाकि यह भी एक कडवा सच है कि नौकरीपेशा महिलायें अधिकाँशत: अपने घरों में दोहरी भूमिकाएं निभाती नज़र आती हैं। जहाँ एक तरफ उन्हें अपनी नौकरी संभालनी है, वहीं दूसरी तरफ घर में खाना बनाना, झाड़ू, पोंछा और बर्तन जैसे परम्परागत कार्यों से उसे कोई राहत नहीं मिलती है। घरेलू कामों में पुरुषों की सहभागिता को आज भी कई घरों में वर्जना का विषय माना जाता है। घर में गृहणी का खाना पीना भी पति, सास-ससुर और बच्चों के बाद होता है। यही कारण है कि महिलायें अक्सर खून की कमी का शिकार बनी रहती हैं। एक तो नैसर्गिक रूप से हर लगभग 12-13 साल की उम्र से लेकर 50-55 साल की उम्र तक नारी को हर माह कुछ खून की मात्रा गवानी पड़ती है। उस पर उसके पोषण का परिवारों में प्राथमिक न होना उन्हें गंभीर स्वास्थ्यगत खतरों की ज़द में ला देता है। दरअसल बचपन से ही बेटी के खान-पान और पोषण पर ध्यान न देते हुए उन्हें भगवान् भरोसे पालने देने की प्रवृत्ति उन्हें एक कमजोर किशोरी बालिका बना देती है। यह वह अवस्था होती है जब कुपोषण उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बुरी तरह प्रभावित करता है। इससे उनके कैरियर पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। फिर ऐसे ही कुपोषित रहते हुए उन्हें विवाह और मातृत्व की उर धकेल दिया जाता है, जहाँ एक कुपोषित मां के रूप में वो कुपोषित बच्चों को जन्म देकर कुपोषण की श्रंखला को मजबूत बनाती जाती है।

नारी को नारों की नहीं, बल्कि पहल की आवश्यकता है। आइये अपने-अपने घरों में छोटी-छोटी पहल कर नारी को समानता और सम्मान दें। बच्चों को समानता के संस्कार दें वर्ना नारे तो सदियों से हैं ही।

तीन खिलाड़ियों में होगी टीम इंडिया के कप्तान की जंग

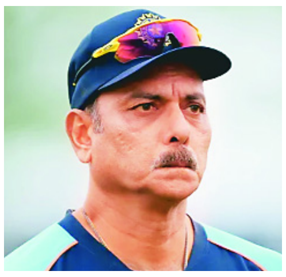

जन प्रकाशन ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के 15वां सत्र भारतीय क्रिकेट टीम के लिए भविष्य के लिए मजबूत कप्तान का पता लगाने का एक अवसर है।

आगामी टूर्नामेंट ऋषभ पंत से लेकर लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे भारतीय कप्तानों की प्रतिभा का आकलन करने का मौका होगा।

राहुल-पंत-अय्यर के बीच जंग

शास्त्री ने हालांकि भारत के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि वह शानदार काम कर रहे हैं। शास्त्री ने आईपीएल के प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स के संवाददाता सम्मेलन में कहा, विराट अब कप्तान नहीं हैं, लेकिन रोहित भी विशेष रूप से सफेद गेंद में उत्कृष्ट रहे हैं। भारत यह देखेगा कि भविष्य में टीम की कप्तानी कौन करेगा। इस दौड़ में अभी श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, केएल राहुल हैं। भारतीय टीम को भविष्य के लिए एक मजबूत कप्तान की तलाश होगी और यहां मौका है।

हार्दिक पंड्या पर भी होगी निगाहें

गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या अपनी गेंदबाजी में वापसी पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना है कि पूरा देश आगामी आईपीएल में उनके हर कदम पर नजर रखेगा। पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में पहली बार भाग ले रही फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर को पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी टी-20 विश्व कप के बाद कोई प्रतिस्पर्धी मैच खेलने को नहीं मिला है।

पेसर्स पर दिया जाएगा ध्यान

शास्त्री ने यह भी कहा कि आगामी आईपीएल में तेज गेंदबाजी पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है, क्योंकि अगला टी-20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया की कठिन और उछाल वाली पिचों पर खेला जाना है।

इंडियन प्रीमियर लीग का 15वां सत्र शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मैच के साथ शुरू होगा।

शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम की नजरें किसी और चीज की तुलना में तेज गेंदबाजी विभाग पर अधिक होगी क्योंकि वे आईपीएल के चार महीने बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं।

'अब अपनी बारी है'

लखनऊ सुपरजायंट्स की जर्सी पर 'गरुड़'

जन प्रकाशन ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में इस साल जिन दो नई टीमों ने एंट्री ली है, उनमें से एक है लखनऊ सुपरजायंट्स। लखनऊ फ्रेंचाइजी ने अपनी जर्सी और टीम गान (थीम सॉन्ग) का अनावरण किया, जिसका मुख्य वाक्य 'अब अपनी बारी है' है।

लखनऊ टीम की जर्सी में हल्के आसमानी रंग का इस्तेमाल किया है जो आईपीएल में पहली बार हो रहा है। इसे युवा डिजाइनर कुणाल रावल ने डिजाइन किया है। थीम सॉन्ग को बादशाह ने गाया है और कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है।

लखनऊ ने अपनी जर्सी के लिए लंबा इंतजार करवाया। सुपरजाइंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम की हलके आसमानी रंग की जर्सी पर 'गरुड़' के प्रतीक चिन्ह का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फ्रेंचाइजी अपनी उड़ान भरने के लिए तैयार है ।

उन्होंने कहा कि वह मानते है कि सफलता सही काम के लिए सही लोगों का चयन पर निर्भर करती है।

गोयनका ने कहा, लखनऊ में, हम पहले आप, पहले आप कहते हैं, लेकिन यहां हमारी टीम कहेगी पहले हम। हम यहां पहले जीतने आए हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी चलाने के उनके मंत्र के बारे में पूछे जाने पर आरपीएसजी समूह के अध्यक्ष ने कहा, मैं अपने व्यवसाय को एक साधारण सिद्धांत पर चलाता हूं। सही काम और अच्छे से उसके निष्पादन के लिए सही लोगों को रखना। इसके साथ ही 15 प्रतिशत काम रणनीति, दृष्टिकोण और संरचना के साथ हो जाता है। यह 95 फीसदी है और बाकी पांच फीसदी टीम को प्रेरित करने के लिए है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम

केएल राहुल, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, क्विंटन डी कॉक, दीपक हुड्डा, मनीष पांडे, क्रुणाल पांड्या, जेसन होल्डर, मार्क वुड, अवेश खान, अंकित राजपूत, के गौतम, दुष्मंत चमीरा, शाहबाज नदीम, मनन वोहरा, मोहसिन खान, आयुष बडोनी, करण शर्मा, एविन लुईस, मयंक यादव, काइल मेयर्स।

आईपीएल 2022

किस टीम के खिलाफ कब और कहां खेलेगी मुंबई इंडियंस

जन प्रकाशन ■ मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे सफल टीमों में से एक मुंबई इंडियंस अपने सफर की शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से करेगी। यह मैच 27 मार्च को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। आईपीएल 2022 में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे।

- **27 मार्च**- एमआई बनाम दिल्ली कैपिटल्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, दोपहर 3.30 बजे
- **02 अप्रैल**- एमआई बनाम राजस्थान रॉयल्स, डॉ डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, दोपहर 3.30 बजे
- **06 अप्रैल**- एमआई बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7.30 बजे
- **09 अप्रैल**- एमआई बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7.30 बजे
- **13 अप्रैल**- एमआई बनाम पंजाब किंग्स, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7.30 बजे
- **16 अप्रैल**- एमआई बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **21 अप्रैल**- एमआई बनाम चेन्नई सुपर किंग्स. डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **24 अप्रैल**- एमआई बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **30 अप्रैल**- एमआई बनाम राजस्थान रॉयल्स, डॉ डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7.30
- **06 मई**- एमआई बनाम गुजरात टाइटन्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **09 मई**- एमआई बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **12 मई**- एमआई बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **17 मई**- एमआई बनाम सनराइजर्स हैदराबाद, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे
- **21 मई**- एमआई बनाम दिल्ली कैपिटल, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7.30 बजे

वैष्णो देवी दर्शन के के लिए पहुंची कंगना

जन प्रकाशन ■ मुम्बई

एक्ट्रेस कंगना रनौत बुधवार को बॉलीवुड क्वीन अपना 35वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही है। इस खास मौके पर कंगना अपनी बहन के साथ मां वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंची हुई हैं, जहां से उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। कंगना रनौत मां वैष्णो देवी के दरबार में ब्लू और रेड सूट पहनकर पहुंची। सिर पर दुपट्टा लिए वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं और मां के मंदिर के सामने हंसते हुए पोज दे रही हैं।

मां वैष्णो देवी के दर्शन के बाद कंगना वहां पहुंची, जिनके दर्शन के बिना यात्रा सफल नहीं होती यानि कंगना और रंगोली ने भैरव बाबा के दर्शन किए। इस दौरान कंगना के आगे पीछे कड़ी सिक्योरिटी देखने को मिली।

दरबार से अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए कंगना ने एक बड़ा सारा नोट भी लिखा। एक्ट्रेस ने लिखा- वैष्णो देवी जी के दर्शन के बाद हम भैरव बाबा के दर्शन के लिए गएज् लिजेंड कहते हैंन्दानव भैरव अंत के दिनों के लिए मां वैष्णो देवी का पीछा कर रहा था और वह पहाड़ी की चोटी तक चली गई और भैरव के डर से गुफा (गुफा जो मुख्य दर्शनस्थान है) में छिप गई थीं। जब भैरो देवी के साथ आमने-सामने हुआ तो उसने शक्ति प्रकट की और उसका सिर इतना हिंसक रूप से काट दिया कि उसकी खोपड़ी एक और पहाड़ी की चोटी पर गिर गई ... भैरव को मारने के बाद वैष्णो देवी ने घोषणा की कि भैरव कोई और नहीं बल्कि स्वयं भगवान शिव हैं, उनकी महिमा के लिए उन्होंने यह भूमिका निभाई, साथ ही, जहां भैरव बाबा का सिर गिरा, उनका मंदिर बना था, यह हमें अपने दुश्मनों और हमारे जीवन में उनकी भूमिकाओं का सम्मान करना सिखाती है... हिंदू धर्म के अनुसार यह एक ही ऊर्जा है जो विभिन्न रूपों में अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति ढूंढती है और किसी को कभी भी अपना दृष्टिकोण नहीं खोना चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की भूमिका करेंगे रणदीप हुडा

जन प्रकाशन ■ मुम्बई

अभिनेता रणदीप हुडा, जिनकी शख्सियत जितनी शांत है उनकी अदाकारी उतना ही शोर मचाती है। किरदार बड़ा हो या छोटा, हर किसी के दिल में रणदीप हुडा हैं बसता। अपने हुनर और लाजवाब अभिनय से बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाले रणदीप हुडा अब एक ऐतिहासिक किरदार करने जा रहे हैं जिसकी कुर्बानियां उसकी शहादत को सलाम करती हैं। जी हा स्वतंत्रता सेनानी च्वीर सावरकर ज् बनकर अब रणदीप उनकी अमर गाथा को अपने अभिनय के माध्यम से जीवंत करेंगे। सरबजीत की बड़ी सफलता और आलोचनात्मक सफलता के बाद, निर्माता संदीप सिंह एक बार फिर से इंटरनेशनल फेम

स्टार भारतीय अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर पर फिर से जुड़ चुके हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर 60 कि.मी. के बाद ही लगेगा टोल टैक्स

3 महीने के अंदर केंद्र सरकार कई टोल नाके बंद करने जा रही है : नितिन गडकरी

नई गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम अनिवार्य

इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत होगी कम, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामो से मिलेगी निजात

जन प्रकाशन ■ नई दिल्ली

क्या आने वाले वक्त में टोल खत्म हो जाएगा। टोल वसूलने का क्या तरीका होगा। इसको लेकर विगत दिवस सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में कहा कि आने वाले वक्त में टोल की

देश में 60 किमी से कम दूरी के बीच में टोल नाका नहीं हो सकता, लेकिन कई जगहों पर ऐसे टोल नाके चल रहे हैं। आज मैं सदन को भरोसा दिलाता हूं कि ऐसे सभी टोल नाके सरकार अगले 3 महीने के भीतर बंद करने जा रही है, क्योंकि ये गलत काम है और ऐसे टोल नाके चलाना अवैध है।

- परिवहन मंत्री नितिन गडकरी

अधिकांश वसूली जीपीएस के जरिए ही होगी। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि टोल खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जीपीएस के जरिए यह पता चलेगा कि आप अपनी गाड़ी लेकर हाईवे पर किस जगह से एंट्री किए हैं और किस जगह से निकले हैं उसी आधार पर पैसा आपके बैंक अकाउंट से कट जाएगा। नई गाड़ियां जो आ रही हैं उनमें जीपीएस सिस्टम को अनिवार्य कर दिया गया है।

नितिन गडकरी ने कहा कि कुछ लोग पूछ रहे हैं कि टोल कब माफ होगा, इसको लेकर उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि जब फाइव स्टार होटल में कार्यक्रम करते हो, तो क्या यह फोकट में मिला है क्या। फोकट में ही करना था तो रामलीला मैदान में करते। यहां तो पैसा देना पड़ेगा। टोल तो देना पड़ेगा।

कितने किलोमीटर के दायरे में टोल नाका

नितिन गडकरी ने कहा कि 60 किलोमीटर के अंदर एक ही टोल नाका होना चाहिए। हालांकि कई जगहों पर अब भी ऐसा नही है। लोकसभा में इस संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि तीन महीने के भीतर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 60 किलोमीटर के अंदर एक ही टोल नाका हो बाकी बंद कर दिए जाएंगे। नितिन गडकरी ने सांसदों के सुझाव को मानते हुए कहा कि स्थानीय लोगों के क्षेत्र में टोल से निकलने के निकलने के लिए आधार कार्ड आधारित पास बनाए जाएंगे। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में कई लोगों की जान जाती है। एक कमिटी बनाई है हर सांसद को उसका अध्यक्ष बनाया है।

वो अपने जिले में जहां भी दुर्घटना होती है इस बारे में डीएम, एसपी, आरटीओ अधिकारी के साथ बैठक करें उन्हें जरूरी निर्देश दें। हादसे वाली जगह को चिन्हित करें और भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय करें। नितिन गडकरी ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलाव के चलते इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत में कमी आएगी और अगले दो साल में इनकी कीमत पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों के बराबर होगी। लोकसभा में वर्ष 2022-23 के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए गडकरी ने यह भी कहा कि किफायती और स्वदेशी ईंधन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

शहीद-ए-आजम भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

जन प्रकाशन ■ इन्दौर

शहीद दिवस के अवसर पर, इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएल मुकाती द्वारा हमारे देश के वीर क्रांतिकारी, शहीद-ए-आजम भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी उपस्थित थे, सभी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

पेट्रोल-डीजल के लगातार दूसरे दिन बढ़े दाम, रसोई गैस ने दिया महंगाई का झटका

इन्दौर	उज्जैन	भोपाल
पेट्रोल 109.09 प्रति लीटर	पेट्रोल 109.33 प्रति लीटर	पेट्रोल 108.98 प्रति लीटर
डीजल 92.61 प्रति लीटर	डीजल 92.07 प्रति लीटर	डीजल 92.52 प्रति लीटर

जन प्रकाशन ■ नई दिल्ली

पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दीए हैं। बुधवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी हुई है। लगातार दूसरे

दिन दोनों ईंधन की कीमतों में 80-80 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। देश की राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 97.01 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 88.27 रुपये है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 111.67 रुपये प्रति लीटर की दर से बिक रहा है, जबकि डीजल 95.85 रुपये पर है। अब नए रेट के मुताबिक बुधवार को देश में सबसे सस्ता पेट्रोल 84.30 रुपये लीटर के हिसाब से पोर्ट ब्लेयर में बिक रहा है तो डीजल भी यहां 78.52 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, पेट्रोल भापोल, जयपुर, पटना, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु में 100 के पार है। बता दें कि देश का सबसे महंगा पेट्रोल और डीजल राजस्थान के श्रीगंगानगर में है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.87 रुपये और डीजल 96.91 रुपये है।

इसी बीच जानकारों का कहना है कि पिछले बार पेट्रोल-डीजल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंचने पर केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी। पेट्रोल पर यह कटौती पांच रुपये प्रति लीटर थी, जबकि डीज़ल पर 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों को देखते हुए एक बार फिर पेट्रोल-डीजल के 100 रुपये प्रति लीटर जाने की आशंका बन गई है। ऐसे में केंद्र सरकार आम लोगों को राहत देने के लिए एक्साइज ड्यूटी में और कटौती कर सकती है। अभी एक्साइज ड्यूटी पेट्रोल पर 27.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 21.80 रुपये प्रति लीटर है।

रसोई गैस सिलेंडर भी हुआ मंहगा

इससे पहले मंगलवार से घरेलू रसोई गैस का सिलेंडर भी महंगा हो गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी की है। रूस और यूक्रेन में जारी जंग से तेल समेत गैस की भी कीमतें बढ़ी है। इसका असर घरेलू

बाजार भी पड़ा है। कीमत में इजाफा के बाद नई दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की नई दर 949.5 रुपए हो गई। इन्दौर में घरेलू सिलेंडर की कीमत 978 रुपए हो गई है। वहीं पटना में तो 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 998 रुपये से बढ़कर 1039.5 रुपये हो गई है।

1 अप्रैल से टाटा मोटर्स बढ़ाएगा वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें

जन प्रकाशन ■ नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में तत्काल वृद्धि करने की घोषणा की है। कीमतों में यह बढ़ोतरी 2 से 2.5 फीसद की सीमा में होगी। बढ़ी हुई कीमतें 1 अप्रैल 2022 से अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के आधार पर सभी रेंज में लागू होंगी। स्टील और एल्युमीनियम जैसी धातुओं की कीमतों में वृद्धि के साथ ही अन्य कच्चे माल की उच्च लागत के चलते कंपनी वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में वृद्धि कर रही है। हालांकि, कंपनी ने विनिर्माण के विभिन्न स्तरों पर बढ़ी हुई लागत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अवशोषित करने के लिए कार्रवाई शुरू की है। इसके बावजूद लागत काफी अधिक होने के कारण कंपनी कीमतों में वृद्धि करने को मजबूर हुई है। टाटा मोटर्स एक अप्रैल से कीमतों में यह बढ़ोतरी करेगा। टाटा मोटर्स ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। बता दें कि विगत दिवस इस वाहन निर्माता कंपनी ने अपनी टीगोर ईवी की कीमत में सभी वेरिएंट में 25,000 रुपये की बढ़ोतरी की है।

मर्सडीज-बेंज इंडिया भी एक अप्रैल से बढ़ाएगा कीमतें

इससे पहले पिछले हफ्ते मर्सडीज-बेंज इंडिया ने कहा था कि वह अपनी सभी मॉडल रेंज की कीमतों में एक अप्रैल से 3 फीसद तक की वृद्धि करेगा। कंपनी ने कहा था कि वह कीमतों में वृद्धि करके इनपुट लागत में हुई बढ़ोतरी के भार को आंशिक रूप से कम करना चाहती है।

साल की शुरुआत में भी की थी टाटा ने बढ़ोतरी

टाटा मोटर्स ने इस साल की शुरुआत में भी अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में 15,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। टाटा मोटर्स ईवी सेगमेंट में एक लीडर के रूप में उभर कर सामने आई है। कंपनी ने नेक्सन जैसी गाड़ियों की पेशकश की है। कंपनी इस सेगमेंट में करीब 10 अन्य गाड़ियों की पेशकश करने जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मनोज कुमार चौबे के लिए डीबी कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 102-ए, अरण्य स्कीम नं. 78, एस-5, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **सम्पादक :** मनोज कुमार चौबे (मो. 9200031247) ● RNI No. MPHIN/2013/50913
● डाक पंजीयन क्रं. : MP/IDC/1543/2020-2022 (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र इन्दौर रहेगा)